क्रीट कुंडल पहन,
डाले काज़ल नयन,
माई अँगना पधारी,
मज़ा आ गया,
होंठ लाली लगी,
माथे बिंदिया सजी,
माई अँगना पधारीं,
मज़ा आ गया।।

तर्ज मेरे रश्के कमर।

धोके चरणों को,
चरणामृत पी लिया,
धूप नैवेद्य से,
माँ का स्वागत किया,
दीप माला सजी,
खिल उठी हर कली,
माई अँगना पधारीं,
मज़ा आ गया।।

सिंह के साथ,
आई हैं माता मेरी,
शस्त्र धारण किये,
कंठ माला सजी,
माँ सुदर्शन लिए,

सबने दर्शन किये,
माई अँगना पधारीं,
मज़ा आ गया।।

लाल चूनर में माँ,
बड़ी प्यारी लगें,
नित नए रूप में,
सबसे प्यारी लगें,
हाथ कंगना सजे,
पांव पायल बजे,
माई अँगना पधारीं,
मज़ा आ गया।।

क्रीट कुंडल पहन,
डाले काज़ल नयन,
माई अँगना पधारी,
मज़ा आ गया,
होंठ लाली लगी,
माथे बिंदिया सजी,
माई अँगना पधारीं,
मज़ा आ गया।।

गीतकार राजेंद्र प्रसाद सोनी।
8839262340

Source: https://www.bharattemples.com/maai-angana-padhari-maza-aa-gaya/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw